धर्मशास्त्र पुस्तिका

	अपराधबोध	शर्म	डर
प्रस्तावना			
समाज	व्यक्तिगत	सामूहिकवाद	जीववाद
अस्तित्वात्मक प्रश्न	स्वर्ग के लिए आश्वस्त होने के लिए मेरे पापों को कैसा क्षमा किया जा सकता है?	सम्मानित होने के लिए मैं समुदाय का हिस्सा कैसे बन सकता हूँ?	जीवन को नियंत्रित करने के लिए मैं शक्ति का प्रयोग कैसे कर सकता हूँ?
ईसाई धर्मशास्त्र	ऑगस्टिनियन, सुधार किया हुआ	अविकसित	पेंटेकोस्टल, करिश्माई
मुख्य रूपक	अदालत (कानूनी)	समुदाय (संबंधित)	युद्ध (सैन्य)
प्रमुख स्थल	पश्चिम (यूरोप, उत्तरी अमेरिका)	पूर्व (मध्य पूर्व, एशिया)	दक्षिण (अफ्रीका, आदिवासी)
ईसाई की स्थिति	ऐतिहासिक ईसाई	न्यूनतम ईसाई	नए ईसाई
परमेश्वर			
परमेश्वर	विधाता एवं न्यायाधीश (निष्पाप, सर्वोत्तम, न्यायी)	परमपिता एवं संरक्षक (महान, श्रेष्ठ, निष्ठावान)	प्रभु एवं दाता (सार्वभौम, उत्कृष्ट)
परमेश्वर की पवित्रता	वह अकेले ही संपूर्ण नैतिक मानक को उत्तम प्रकार से बनाये रखता है	वह अकेले ही अनंत रूप से महान है, सबकी श्रद्धा के योग्य है	उसने अकेले ही सभी चीजों और मनुष्यों की रचना की है और वह सर्वोच्च है
परमेश्वर की प्रभुता	अपराधियों को क्षमा करता है और हमें भावी मोक्ष प्रदान करता है	दीन-हीन मनुष्यों को सम्मान देता है और झूठे घमंड को दूर करता है	आध्यात्मिक विरोधी को हराता है और संसार पर शासन करता है
परमेश्वर की नीतिपरायणता	दंडात्मक न्याय	अनुबंधित निष्ठा	लौकिक शक्ति
पाप			
पाप	उल्लंघन एवं अपराध	निष्ठाहीनता एवं विद्रोह	अनधिकार ग्रहण एवं मूर्ति पूजा
पापमयता	सम्पूर्ण अनैतिकता	पूर्ण अस्वीकरण	नितांत दोषपूर्णता
उल्लंघन	परमेश्वर के नियम और न्याय	परमेश्वर का स्वरुप और महिमा	परमेश्वर की शक्ति और अधिकार
पापी	निन्दित	अस्वीकृत	अभिशप्त
पाप के परिणाम	न्याय और दंड	अपमान और तिरस्कार	निर्दयता और दासता
पाप की भावनाएं	पछतावा	अयोग्यता	व्याकुलता
पतन (उत्पत्ति 3)	स्थानांतरित दोष	अन्तर्निहित नग्नता	भय से छिपना
सांस्कृतिक समाधान	न्यायसंगत बनना, स्वीकार करना, क्षतिपूर्ति	ढंकना, भाग जाना, परित्याग करना	आत्मवाद, काला जादू
झूठी आशा	नैतिकता, कर्म, योग्यता	समानता, संबंध, नाम	अनुष्ठान, ज्ञान
ओल्ड टेस्टामेंट के नियम प्रकट करते हैं	हमारी नैतिक विफलता	हमारी अशुद्धता/ अलगाव	हमारी मूर्ति पूजा

यीशु			
मसीह	प्रतिस्थापन एवं बलिदान	मध्यस्थ एवं भाई	विजेता एवं मुक्तिदाता
अवतरण	हमारे कर्ज़ चुकाने के लिए यीशु पूर्ण रूप से मानव बनता है	परमपिता और हमें प्रकाशित करने के लिए यीशु महिमा त्याग देता है	शैतान के कामों को नष्ट करने के लिए यीशु आता है
यीशु का जीवन	निष्पाप रहें	रोगी को ठीक किया, निर्वासित लोगों के साथ भोजन किया, अन्य जातियों का सम्मान किया	शैतानों को दूर किया, चमत्कार, शगुन और अद्भुत चीजें की
यीशु की मृत्यु	हमारे नैतिक अपराधों के लिए दंड सहती है	हमारे शर्म को दूर करती है और परमेश्वर के स्वरुप/सम्मान को पुनर्स्थापित करती है	आत्माओं और शक्तियों को परास्त करती है
क्रूस	परमेश्वर के क्रोध को शांत करता है	परमेश्वर के मूल्यांकन को बदलता है	परमेश्वर की शक्ति को स्थापित करता है
प्रायश्चित का सिद्धांत	दण्डनीय प्रतिस्थापन	संतुष्टि (एन्सेल्म)	क्रिस्टस विक्टर
यीशु का पुनर्जन्म	भावी मोक्ष का आश्वासन	दंड के लिए दैवीय सम्मान	शैतान और मृत्यु के ऊपर विजय

मोक्ष			
मोक्ष	निरपराधता एवं क्षमा	सम्मान एवं स्वरुप	शक्ति एवं स्वतंत्रता
स्थिति	अगली दुनिया	यह दुनिया	अनदेखी दुनिया
पश्चाताप	कार्यों से-नीतिपरायणता (अच्छे कामों से परमेश्वर को प्रसन्न करने का प्रयास बंद करें)	आत्मप्रशंसा से (अपनी स्थिति बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक प्रणालियों का इस्तेमाल करने से बचें)	मूर्ति पूजा से (गलत शक्तिओं और जादुई रीतियों को त्याग दें)
अनुग्रह (पराजित करता है)	दुष्टता	अयोग्यता	दुर्बलता
क्षमा	गलतियों को क्षमा करता है	रिश्तों में सुलह करता है	केंद्र हटाता है
परमेश्वर के दाहिनी ओर	स्वीकृति और घनिष्ठता	प्रतिष्ठा और स्थिति	शक्ति और अधिकार
मिलन (परमेश्वर के अलावा)	स्वयं (आत्मा, अंतःकरण)	लोग (परिवार, समुदाय)	रचना (प्रकृति, आत्माएं)
शिष्यत्व	आज्ञाकारिता	निष्ठा	समर्पण
परमात्मा	व्यवहार के लिए मार्गदर्शन	त्रिमूर्ति के साथ समन्वय	युद्ध के लिए सशक्तिकरण
नैतिकता	दूसरों से प्रेम करना	दूसरों को सम्मान देना	दूसरों को आशीष देना
आश्वासन	क्या मैं सुरक्षित और नैतिक रूप से स्वीकार्य हूँ?	क्या मैं सही समुदाय का हिस्सा हूँ?	क्या मेरे पास काली शक्तियों को पराजित करने के लिए पर्याप्त शक्ति है?
मिसियोलॉजी	सत्य का अनुभव	समुदाय का अनुभव	शक्ति का अनुभव
इफिसियों	2:1-10	2:11-22	6:10-17

सुसमाचार संबंधी सार			
परमेश्वर का उद्देश्य	परमेश्वर हमें प्रेम करता है और उसके पास हमारे जीवन के लिए अद्भुत योजना है	परमेश्वर ने अपने सम्मान और महिमा के साथ बच्चों के रूप में हमारी रचना की	परमेश्वर अपनी आत्मा के माध्यम से असीम शक्ति प्रदान करता है
मानव समस्या	हमारा निजी पाप परमेश्वर/हमारे जीवन के लिए परमेश्वर की योजना और हमारे बीच में एक अवरोध उत्पन्न कर देता	हमारी निष्ठाहीनता से परमेश्वर का अपमान होता है, इसलिए हम शर्मनाक रूप से अनाथ हैं	हमारी मूर्ति पूजा हमें दिव्य शक्ति से अलग कर देती है और हमें अंधकार के श्राप में ढकेल देती है
यीशु का समाधान	हमारे पापों के सर्वोत्तम बलिदान के रूप में यीशु ने परमेश्वर के दंड को सहा	हमारे मध्यस्थ के रूप में यीशु मसीह ने हमारे शर्म को सहा, महिमा उत्पन्न की और परमेश्वर के नाम की महिमा को पुनर्स्थापित किया	यीशु ने मृत्यु और दुष्ट शक्तियों पर विजय पायी ताकि हम परमेश्वर की शक्ति और आशीर्वाद को प्राप्त कर सकें
निस्तारणशील प्रतिक्रिया	अपने निजी रक्षक के रूप में यीशु को स्वीकार करें और क्षमा की प्रार्थना करें, मानव नैतिकता से मुड़ें	परमेश्वर को निष्ठा दें, उसके परिवार में शामिल हो जाएँ, झूठे स्वरुप और स्थिति का त्याग करें	संरक्षण और शक्ति के लिए केवल परमेश्वर पर भरोसा करें, जादू और मतभेदों से दूर रहें

अपने समूह की संस्कृति का प्रकार जानने के लिए www.TheCultureTest.com पर मुफ्त आकलन करें।

THE 3D GOSPEL: Ministry in Guilt, Shame, and Fear Contexts ईबुक प्राप्त करें

www.HonorShame.com